भारत सरकार

विद्‌युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-363

जिसका उत्तर 08 दिसंबर, 2022 को दिया जाना है ।

स्थायी विद्‌युत कनेक्शन

363. सुश्री एस. जोतिमणि:

क्या **विद्‌युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना - सौभाग्य के तहत वर्ष-वार कितने परिवारों को स्थायी बिजली कनेक्शन प्रदान किए गए हैं;

(ख) उक्त योजना के कार्यान्वयन के लिए तमिलनाडु राज्य को कितनी निधि आवंटित और जारी की गई है; और

(ग) सरकार द्‌वारा पहाड़ी क्षेत्रों या घने जंगलों के पास के गांवों में स्थायी बिजली कनेक्शन प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

विद्‌युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

(क) और (ख) : भारत सरकार ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सभी गैर-विद्‌युतीकृत घरों और शहरी क्षेत्रों के सभी गरीब घरों को विद्‌युत कनेक्शन प्रदान करके, सार्वभौमिक घरेलू विद्‌युतीकरण प्राप्त करने के उद्‌देश्य से अक्तूबर, 2017 में प्रधान मंत्री सहज बिजली हर घर योजना - सौभाग्य की शुरुआत की। सौभाग्य के तत्वावधान में, दिनांक 31.03.2019 तक की स्थिति के अनुसार, छत्तीसगढ़ के वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्रों में 18,734 घरों को छोड़कर, राज्यों द्‌वारा सभी इच्छुक घरों में विद्‌युतीकरण की सूचना दी गई थी। इसके बाद, सात राज्यों नामतः असम, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, मणिपुर, राजस्थान और उत्तर प्रदेश ने सूचित किया था कि दिनांक 31.03.2019 से पहले अभिचिन्हित, लगभग 19.09 लाख गैर-विद्‌युतीकृत घर हैं, जो पहले अनिच्छुक थे लेकिन बाद में उन्होंने विद्‌युत कनेक्शन प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की थी। इसकी भी संस्वीकृति दी गई थी। इन सभी सात राज्यों ने दिनांक 31.03.2021 तक की स्थिति के अनुसार 100% घरों के विद्‌युतीकरण की सूचना दी थी। सौभाग्य के शुभारंभ के बाद से, दिनांक 31.03.2021 तक, कुल 2.817 करोड़ घरों का विद्‌युतीकरण किया गया है।

इसके बाद, कुछ राज्यों ने यह सूचित किया कि 11.84 लाख घरों का विद्‌युतीकरण किया जाना शेष है, जिसके निमित्त, राज्यों ने 4.43 लाख घरों के विद्‌युतीकरण की सूचना दी। तदनुसार, कुल 2.86 करोड़ घरों का विद्‌युतीकरण किया जा चुका है। राज्य-वार ब्यौरे **अनुबंध** में दिए गए हैं। तमिलनाडु राज्य ने सूचित किया कि सौभाग्य स्कीम के शुभारंभ से पूर्व ही अधिकांश घर विद्‌युतीकृत कर दिए गए थे। अतः, तमिलनाडु ने सौभाग्य में भागीदारी नहीं की थी।

(ग) : दूरस्थ एवं दुर्गम गांवों/वासस्थलों, जहां न तो ग्रिड विस्तार व्यवहार्य था और न ही लागत प्रभावी था, में गैर-विद्‌युतीकत घरों को विद्‌युत प्रदान करने के लिए, सौर आधारित प्रणालियां संस्थापित की गई थीं।

****

<u>अनुबंध</u>

लोक सभा में दिनांक 08.12.2022 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 363 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

****

डीडीयूजीजेवाई के अंतर्गत अतिरिक्त घरों की उपलब्धि सहित सौभाग्य स्कीम की शुरूआत से घरों का राज्य-वार विद्युतीकरण

सौभाग्य के अंतर्गत मूल संस्वीकृति				सौभाग्य के अंतर्गत अतिरिक्त संस्वीकृति		डीडीयूजीजेवाई के अंतर्गत अतिरिक्त संस्वीकृत		कुल जोड़
क्र.सं.	राज्य का नाम	पोर्टल के अनुसार दिनांक 11.10.2017 से 31.03.2019 तक विद्युतीकृत घरों की संख्या	परिपूर्णता प्रमाणपत्र तिथि	दिनांक 01.04.2019 से 31.03.2021 तक विद्युतीकृत किए गए घरों की संख्या	दिनांक 31.03.2021 तक की स्थिति के अनुसार विद्युतीकृत कुल घर	वर्ष 2021-22 के दौरान संस्वीकृत घर	दिनांक 31.03.2022 की स्थिति के अनुसार विद्युतीकृत घर	
1.	आंध्र प्रदेश*	1,81,930		0	1,81,930			1,81,930
2.	अरुणाचल प्रदेश	47,089	12-मार्च-19	0	47,089	7859	0	47,089
3.	असम	17,45,149	24-जनवरी-19	2,00,000	19,45,149	480249	381507	23,26,656
4.	बिहार	32,59,041	25-अक्तूबर-18	0	32,59,041			32,59,041
5.	छत्तीसगढ	7,49,397	17-अगस्त-21	40,394	7,89,791	21981	2577	7,92,368
6.	गुजरात*	41,317		0	41,317			41,317
7.	हरियाणा	54,681	07-दिसंबर-18	0	54,681			54,681
8.	हिमाचल प्रदेश	12,891	30-नवंबर-18	0	12,891			12,891
9.	जम्मू और कश्मीर	3,77,045	27-अक्तूबर-18	0	3,77,045			3,77,045
10.	झारखंड	15,30,708	26-दिसंबर-18	2,00,000	17,30,708			17,30,708
11.	कर्नाटक	3,56,974	31-जनवरी-19	26,824	3,83,798			3,83,798
12.	लद्दाख	10,456	27-अक्टूबर-18	0	10,456			10,456
13.	मध्य प्रदेश	19,84,264	22-अक्तूबर-18	0	19,84,264	99722	0	19,84,264
14.	महाराष्ट्र	15,17,922	27-दिसंबर-18	0	15,17,922			1,51,922
15.	मणिपुर	1,02,748	20-दिसंबर-18	5,367	1,08,115	21135	0	1,08,115
16.	मेघालय	1,99,839	24-जनवरी-19	0	1,99,839	420	401	2,00,240
17.	मिजोरम	27,970	24-नवंबर-18	0	27,970			27,970
18.	नगालैंड	1,32,507	18-दिसंबर-18	0	1,32,507	7009	7009	1,39,516
19.	उड़ीसा	24,52,444	31-दिसंबर-18	0	24,52,444			24,52,444
20.	पुडुचेरी*	912		0	912			912
21.	पंजाब	3,477	13-दिसंबर-18	0	3,477			3,477
22.	राजस्थान (जयपुर)	18,62,736	16-अक्तूबर-18	2,12,786	20,75,522	210843	52206	21,27,728
23.	सिक्किम	14,900	26-नवंबर-18	0	14,900			14,900
24.	तमिलनाडु*	2,170		0	2,170			2,170
25.	तेलंगाना	5,15,084	14-नवंबर-18	0	5,15,084			5,15,084
26.	त्रिपुरा	1,39,090	27-नवंबर-18	0	1,39,090			1,39,090
27.	उत्तर प्रदेश	79,80,568	31-दिसंबर-18	12,00,003	91,80,571	334652	0	91,80,571
28.	उत्तराखंड	2,48,751	30-नवंबर-18	0	2,48,751			2,48,751
29.	पश्चिम बंगाल	7,32,290	26-नवंबर-18	0	7,32,290			7,32,290
कुल		**2,62,84,350**		**18,85,374**	**2,81,69,724**	**11,83,870**	**4,43,700**	**2,86,13,424**

*सौभाग्य से पहले विद्युतीकृत तथा जो सौभाग्य के अंतर्गत वित्तपोषित नहीं हैं।

****